T. G.

AH-III/Sanskrit/CC-V/18

B.A. 3rd Semester (Honours) Examination, 2018 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Paper : CC-V

Time: 3 Hours **Full Marks: 60**

The figures in the margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answer in their own words as far as practicable.

1. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु 'क'विभागत: *सप्तानां प्रश्नानां* 'ख'विभागत: *त्रयाणां प्रश्नानां* चोत्तरम् सुरगिरा देवनागरी लिपिमाश्रित्य देयम्। 2×10=20

নীচের প্রশ্নগুলির মধ্যে 'ক'বিভাগ থেকে *সাতটি* এবং 'খ'বিভাগ থেকে *তিনটি প্রশ্নের* সংস্কৃত ভাষায় দেবনাগরী লিপিতে উত্তর দাও।

'क'-विभाग:

'ক'-বিভাগ

(a) '*अभिज्ञानशकुन्तलम्*' इति पदस्य व्युत्पत्ति: विचार्या।
'*অভিজ্ঞানশকুন্তলম্*' পদটির ব্যুৎপত্তি বিচার করো।

(b) *शाकुन्तले* प्रस्तावनायां नट्या: गीतं संस्कृतेन लिख्यताम्।
অভিজ্ঞানশকুন্তলে প্রস্তাবনায় নটীর গানটি সংস্কৃতে লেখো।

(c) सुत्रधारमनुसृत्य निदाघर्तु: वर्ण्यताम्।
সূত্রধারের অনুসরণে গ্রীষ্মকালের বর্ণনা দাও।

(d) 'दूरीकृता: खलु गुणैरूद्यानलता वनलताभि:'– उक्तेरस्या: तातपर्यं विचार्य्यताम्।
'দূরীকৃতাঃ খলু গুণৈরুদ্যানলতা বনলতাভিঃ'— এই উক্তির তাৎপর্য বিচার করো।

(e) 'परमार्थेन न गृह्यतां वच:' – कस्योक्तिरियम्? कस्मिन् प्रसङ्गे उक्तिरियमभिहिता?
'পরমার্থেন ন গৃহ্যতাং বচঃ' — উক্তিটি কার? কোন প্রসঙ্গে একথা বলা হয়েছে?

(f) *शाकुन्तले* तृतीयाङ्के गौतमीप्रवेशात् प्राक् नेपथ्ये किं श्रूयते?
অভিজ্ঞানশকুন্তলে তৃতীয়াঙ্কে গৌতমী আসার আগে নেপথ্যে কী শোনা যায়?

(g) शकुन्तलां प्रति काश्यपस्य कण्वस्य आशीर्वाणीं लिखत।
শকুন্তলার উদ্দেশ্যে কাশ্যপ কণ্বের আশীর্বাদ লেখো।

(h) आचार्यकण्ववचनमनुसृत्य कदा शकुन्तला पुन: तदाश्रमे आगमिष्यति?
আচার্য কণ্বের বচন অনুসারে শকুন্তলা আবার কবে কণ্বাশ্রমে আসবেন?

(i) को नाम करभकः? स नृपाय कां वार्तां ज्ञापितवान्?
করভক কে? তিনি রাজাকে কী বার্তা শোনান?

(j) 'श्रोतव्यमिदानीं संवृत्तम्' – केनोक्तमेतत्? एतादृशस्य वक्तव्यस्य कारणं किम्?
'শ্রোতব্যমিদানীং সংবৃত্তম্' — একথা কে বলেছেন? এরূপ উক্তির কারণ কী?

'ख'-विभागः
'খ'-বিভাগ

(a) महाकविभासविरचितं रामायणमाधारीकृत्य नाटकद्वयं किम्?
মহাকবি ভাস রচিত রামায়ণাশ্রিত দুটি নাটকের নাম লেখো।

(b) कालिदासनाट्ये उल्लिखितानां तत्पूर्ववर्तिनी नाट्यकृतां नाम लिख्यताम्। कस्मिन् नाटके एतद् उपलभ्यते?
কালিদাসনাটকে উল্লিখিত তাঁর পূর্ববর্তী নাট্যকারদের নাম লেখো। কোন্ নাটকে এর উল্লেখ আছে?

(c) संस्कृतनाट्यसाहित्ये प्रकरणद्वयस्य नाम लिख्यताम्। तयोः प्रकरणयोः रचयितृनामापि देयम्।
সংস্কৃত নাট্যসাহিত্যের দুটি প্রকরণের নাম দাও। সেই প্রকরণ দুটির রচয়িতার নাম লেখো।

(d) भवभूतिः कानि रूपकाणि विरचितवान्? तेषां नामानि लिखत।
ভবভূতি ক'টি নাটক লিখেছেন? সেগুলির নাম লেখো।

(e) संस्कृतसाहित्ये राजनैतिकनाटकस्य नाम प्रदेयम्। को वा तस्य रचयिता?
সংস্কৃত সাহিত্যে রাজনৈতিক নাটকের নাম লেখো। তার রচয়িতার নাম কী?

2. अधःस्थितेषु प्रश्नेषु यथाकामं *चतुर्णां* प्रश्नानामुत्तरं देयम्। तेषु प्रश्नेषु यत्किञ्चन *द्वितयं* सुरगिरा समाधीयताम्। 5×4=20

নীচের প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোনো *চারটি প্রশ্নের* উত্তর দাও। তার মধ্যে *দুটি প্রশ্নের* উত্তর সংস্কৃতে লেখো।

(a) अधस्तात् कस्यचिदेकस्य संक्षिप्ता टिप्पणी विधेया।
নীচের যে কোনো একটির সংক্ষিপ্ত টীকা লেখো।
ऊरूभङ्गम्; मृच्छकटिकम्; वेणोसंहारम्।

(b) अधोलिखितयोः श्लोकयोः अन्यतरः वङ्गभाषया अनूद्यताम्।
নীচের যে কোনো একটি শ্লোকের বাংলায় অনুবাদ করো।

(i) इदं किलाव्याजमनोहरं वपुस्तपःक्षमं साधयितुं य इच्छति।
ध्रुवं स नीलोत्पलपत्रधारया शमीलतां छेत्तुमृषिर्व्यवस्यति।।

(ii) यात्येकतोऽस्तशिखरं पतिरोषधीना–
–माविष्कृतोऽरूणपुरःसर एकतोऽर्कः।
तेजोद्वयस्य युगपद्व्यसनोदयाभ्यां
लोको नियम्यत इवैष दशान्तरेषु।।

(c) शकुन्तले प्रथमाङ्के हस्तिवृत्तान्तस्य नाटकीयं तात्पर्यं लिखत।
অভিজ্ঞানশকুন্তলে প্রথমাঙ্কে হস্তিবৃত্তান্তের তাৎপর্য লেখো।

(d) अधोलिखितयो: श्लोकयो: अन्यतर: सुरगिरा व्याख्यायताम्।
নীচের যে কোনো একটি শ্লোকের সংস্কৃতভাষায় ব্যাখ্যা করো।

(i) सरसिजमनुविद्धं शैवलेनापि रम्यं
मलिनमपि हिमांशोर्लक्ष्म लक्ष्मीं तनोति।
इयमधिकमनोज्ञा वल्कतेनापि तन्वी
किमिव हि मधुराणां मण्डंन नाकृतीनाम्।।

(ii) रम्याणि वीक्ष्य मधुरांश्च निशम्य शब्दान्
पर्युत्सुको भवति यत्सुखितोऽपि जन्तु:।
तच्चेतसा स्मरति नूनमबोधपुर्वं
भावस्थिराणि जननान्तरसौहृदानि।।

(e) अधोलिखितयो: श्लोकांशयो: अन्यतरस्य सुरगिरा भवसम्प्रसारणं कुरूत।
নীচের যে কোনো একটি শ্লোকাংশের সংস্কৃতভাষায় ভাবসম্প্রসারণ করো।

(i) न प्रभातरलं ज्योतिरूदेति वसुधातलात्।

(ii) लभेत वा प्रार्थयिता न वा श्रियं
श्रिया दुराप: कथमीप्सितो भवेत्।

(f) *शाकुन्तले* पञ्चमाङ्के हंसपदिकाया: सङ्गीतं संस्कृतेन लिख्यताम्। कि नाम तत्सङ्गीतस्य तात्पर्यम्? 1+4=5
অভিজ্ঞানশকুন্তলে পঞ্চমাঙ্কে হংসপদিকার গান সংস্কৃতে লেখো। ঐ গানের তাৎপর্য ব্যাখ্যা করো।

3. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु कयोश्चिद् *द्वयो:* उत्तरं लिखत। 10×2=20
নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির যে কোনো *দুটির* উত্তর দাও ঃ

(a) दुर्वाससः शाप: लिख्यताम्। तस्य शापस्य नाटकीयतातपर्यं व्याख्यायताम्। 2+8=10
দুর্বাসার শাপটি লেখো। সেই শাপের নাটকীয় তাৎপর্য ব্যাখ্যা করো।

(b) *अभिज्ञानशाकुन्तले* को नाम कुलपति:? तस्य चरित्रं वर्णयत। 2+8=10
অভিজ্ঞানশকুন্তল এই নাটকে কাকে কূলপতি বলে? মহর্ষি কণ্বের চরিত্র বর্ণনা করো।

(c) शाकुन्तलनाटकस्य क: मूलोत्स:? तत्कथावस्तुनि कालिदासेन कानि कानि परिवर्त्तनानि विहितानि? कथं च? 10
অভিজ্ঞানশকুন্তলম নাটকের উৎস কী? তিনি কী কী পরিবর্তন সাধন করেছেন? এবং কেনো করেছেন?

(d) श्रीहर्षस्य कानि रूपकानि भवन्ति? तेषांनाटकीयम् उत्कर्षम् प्रतिपादयत:। 10
শ্রীহর্ষ কটি রূপক রচনা করেছেন? তাঁর নাটকীয় উৎকর্ষ আলোচনা করো।